उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड,
23, एलनगंज, इलाहाबाद–211002

पाठ्यक्रम
प्रशिक्षित स्नातक

विषय–संगीत (11)

(अ) गायन

निम्न तकनीकी शब्दों की परिभाषा एवं व्याख्या संगीत, स्वर, सप्तक, शुद्व और विकृत स्वर, अलंकार, आलाप, विवादी, पकड़, राग, जाति, ओडव, सम्पूर्ण। ताल, मात्रा, लय तथा रोगों का परिचय, संगीत का इतिहास, विविध रोगों का अध्ध्यन विशेषता स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से रागों की बढ़त। रागों के आलाप, ताल, सहित लिपिबद्व करने की योग्यता। तालों का परिचय, गीतों के अलाप, तान सहित लिखना। स्वर समूह के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर राग पहिचानने की योग्यता।

अमीर खुसरों तथा भारत खण्डे की जीवनी, राग चमन और खमाज का विस्तृत अध्ययन, प्रत्येक में एक–एक गीत आना चाहिए। विलावल, भूपाली, आसावरी रागों का परिचय। प्रत्येक का गीत स्वर लिपि सहित लिखना। प्रत्येक राग का सरगम और गीत। प्रत्येक राग का आरोह'अवरोह, पकड़ गाना।

श्रुति, स्वर, ग्राम मूर्च्छना, सारणी चतुष्टमी का अध्ययन, भारतीय संगीत का उद्भव एवं विकास, क्रम धुवद, ख्याल, टप्पा, ढुमरी, तराना, का अध्ययन, प्रमुख कलाकारों की जीवनी, त्यागराज, तानसेन, बालकृष्ण इचल, करन्जिकर, पं0 बिष्णु दिगम्बर पुलकर, पं0 ओंकारनाथ ठाकुर पं0 बलवंतराज जी भट्ट, आरोह, अवरोह अपतत्व, बहुत्व, शुद्र कल्याण, दरबारी कान्हड़ा, अड़ाना, तोड़ी, मुल्तानी, मियालल्हार रागों का अध्ययन, ध्रुपद, धमार, तराना, टप्पा का उदाहरण सहित अध्ययन, लयकारी, दुगुल, तिगुल, तिगुन, चौगुन, आड़ा चारताल, झूमर एम, ताल, पंचमस्वरी, गंज झम्पा, रूपक का अध्ययन।

(ब) वादन

संगीत स्वर (शुद्व एवं विकृत) अलाप, थाट, राग, आरोह, अवरोह, वादी संवादी पकड़, गत, टोडा, जमजमा, मात्रा, लय भरी, ठेका, समताल की परिभाएँ एवं व्यवस्था, संगीत का इतिहस एवं रोगों का अध्ययन वादन, पाठ्यक्रमों के रागों की विशेषताऐं, रागों की गायकी का शास्त्रीय अध्ययन स्वर विस्तार एवं अलंकारों के माध्यम से राग की बढ़ता, तालों के टुकड़े, परन आदि लिखना, सरल स्वर विस्तार एवं तोड़ों के साथ गत के लिपिबद्ध करके लिखना। स्वर समूह के छोटे–छोटे टुकड़ों के आधार पर रागों की पहचान, ठेके के कुछ बोलों के आधार पर तालों को पहचानने की योग्यता। तबला, पखावत या मृदंग, वीणा सितार, सरोद, सारंगी, इसराज या दिलरूबा, गिटार, वायलिन और बाँसुरी वाद्ययन्त्र। पारिभाषित व्याख्या–आलाप जोड़, अलाप, जमजमा, गमक, जवारी, तरप। वाद्य वर्गीकरण के

प्रकार का सामान्य ज्ञान, मिजराब का कार्य मिजराब द्वाराकृत विभिन्न लयात्मक प्रसार, विस्तार वाद्य का उद्‌भव एवं विकास का क्रमिक विवेचन/विणा के प्रकार का संक्षिप्त ज्ञान तन्त्रवाद्य के सुगम संगीत, धुन की उपयोगिता। जीवनियां पं0 रविशंकर, इनायम खॉ, पं0 बलराम पाठक, उस्ताद मुस्ताद अली। वाद्य संबधी तकनीकी, कौशल एवं वादन शैलियां। गीतों को स्वरलिपि में लिखना। लय और लय के प्रकार, ताल ताली, ठेका, सुम खाली, आवर्तन, विभाग, पेशकारा, गत कायदा बूला गत, टुकड़ा, परन परन के प्रकार, दमदार तिहाई, बेदमदार तिहाई, तबला, पखावज के वर्ण प्रारम्भिक बोल निकालने के तरीके। वाद्य का ऐतिहासिक विवरण, वाद्य के अंग (विवरण सहित) मिलाने की विधि। विभिन्न बोलों का तालिपि में लिखने का ज्ञान, तालों का विशद अध्ययन–जीवनियां प0 भैरव सहाय, नाना साहब पान्से, पं0 कण्ठे महराज, उस्ताद अल्लारखा खॉ।

नोट–गायन एवं वादन दोनों के बराबर संख्याओं में प्रश्न होंगे।